खबर संक्षेप

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत करें- अपर कलेक्टर

मण्डला। अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह ने सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरण को प्राथमिकता से निराकृत करें। उन्होंने निर्देशित किया कि आगामी दो दिवस में सभी विभाग 80 प्रतिशत के वेटेज स्कोर का बेंचमार्क प्रात्त करना सुनिश्चित करें। इससे कम वेटेज स्कोर वाले विभाग अपना वेटेज स्कोर बढ़ाएं। जिले की रैंकिंग को बेतहर करने के लिए 50 दिवस एवं 100 दिवस से अधिक वाले प्रकरणों पर विशेष ध्यान दें। जिले की रैंकिंग जारी होने में 2 दिवस का समय शेष है इसलिए समस्त विभाग प्रमुख प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराते हुए संतुष्टि का प्रतिशत बढ़ाए। बैठक में विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

बंगाल में हो रहे अत्याचार को लेकर विश्व हिन्दु परिषद करेगा प्रदर्शन

विश्व हिन्दू परिषद
धर्मो रक्षति रक्षितः

मण्डला। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ संशोधन बिल के विरोध को लेकर जो प्रदर्शन किया गया और विरोध प्रदर्श की आड़ में एक सम्प्रदाय के न केवल घर जलाये गये बल्कि यहां के अल्पसंख्यक हिन्दुओं को यहां से भागकर दूसरे स्थानों पर शरण लेना पड़ी। पश्चिम बंगाल की सरकार पर उपद्रवियो को संरक्षण देने का आरोप लग रहा है इसी मांग को लेकर आज विश्व हिन्दु परिषद मण्डला इकाई द्वारा प्रदर्शन किया जायेगा। विश्व हिन्दु परिषद के कार्यकर्ता आज 19 अप्रैल दिन शनिवार को दोपहर 2:30 बजे स्थानीय बैगा-बैगा चौक में एकत्र होंगे और पश्चिम बंगाल सरकार को हटाकर वहां राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करेंगे इसके उपरांत सभी कार्यकर्तागण मण्डला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपेंगे।

उत्तरवाहिनी माँ नर्मदा परिक्रमा का दूसरा चरण आज से प्रारंभ

तट के किनारे से होगी परिक्रमा

*** घाघी घाट पर होगा रात्रि विश्राम।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

उत्तरवाहिनी माँ नर्मदा परिक्रमा का दूसरा सामूहिक आयोजन आज प्रातः 06:00 बजे से प्रारंभ हो रहा है सुबह व्यास नारायण मंदिर में संकल्प पूजा के साथ यह परिक्रमा प्रारंभ होगी जो कि तट पार कर महाराजपुर संगम पहुंचेगी इस स्थान पर परिक्रमा में शामिल लोगों का पंजीयन होगा और सभी को परिचय पत्र दिये जायेंगे यहां से परिक्रमा मंगलेश्वर मंदिर मार्ग की ओर आगे बढ़ेगी जहां पर कि ज्वालाजी मंदिर परिसर में चित्रगुप्त मंदिर के समीप चित्रगुप्त कायस्थ सभा के द्वारा बाल भोग की व्यवस्था की गई है और फिर यहां से परिक्रमावासी दादा धनीराम जी के दर्शन कि लिये उनकी समाधि स्थल पहुंचेंगे और दर्शन उपरांत राधाराज आश्रम होते हुये कच्चे मार्ग से मानादेई ग्राम की ओर प्रस्थान करेंगे जहां पर घुंघरू वाले महाराज जी के आश्रम में जलपान के साथ-साथ विश्राम की व्यवस्था की गई है यहां से परिक्रमा जब आगे बढ़ेगी तो फिर सुरंगदेवरी ग्राम से एक रास्ता दाहिनी ओर गांव के अंदर जाता है इस मार्ग से परिक्रमा आगे बढ़ते हुये मैया जी के तट से होते हुये कोठी घाट आश्रम सिलपुरा पहुंचेगी इस आश्रम में दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई है यहां भोजन के साथ-साथ भजन की भी संगत होगी और फिर विश्राम करने के बाद यहां से परिक्रमा कच्चे रास्ते से ही सनकुही या संभव हुआ तो भैसादाह तक जायेगी जहां से परिक्रमा घाघा होते हुये घाघी तट तक पहुंचेगी इसी तट पर रात्रि विश्राम का आयोजन किया गया है घाघी तट पर दो ओर मैदान है जहां पर कि टेंट लगाये गये हैं इन टेंटों के अंदर परिक्रमावासी रात्रि विश्राम करेंगे विश्राम के पूर्व भोजन एवं संगीत संध्या का भी आयोजन किया गया है। हाल ही में महिष्मती माँ नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के सहयोग से एक शेड का निर्माण किया गया है इस शेड के चारों ओर चाहरदिवारी बनाई गई है और अंदर टाइल्स लगाकर इसे परिक्रमावासियों के विश्राम के लिये सुलभ बनाने का प्रयास किया गया है इस शेड पर भी महिलायें रात्रि में विश्राम करेंगी और अन्य श्रद्धालुजन मंदिर एवं मंदिर परिसर में रात्रि विश्राम करेंगे। माँ नर्मदा के तट पर पूरी रात बिताने का यह सुनेहरा अवसर माँ नर्मदा परिक्रमावासियों को उपलब्ध होने जा रहा है सभी परिक्रमावासी इस अवसर का लाभ उठावें और परिक्रमा के दौरान माँ नर्मदा का मनन उनका चिंतन करते हुये अपने समय का सदुपयोग करें। अपनी परिक्रमा को सफल बनावें साथ ही दूसरे परिक्रमावासियों का भी सहयोग करें।

आयोजन समिति ने सभी परिक्रमावासियों से अपनी थाली, अपनी गिलास एवं दो चादर साथ में लेकर आने का निवेदन किया है ताकि आपको जो भी भोजन या अल्पाहार मिलता है उसे आप पवित्रता के दृष्टिकोण से अपने ही पात्र में ग्रहण करें एवं पत्तल एवं डिस्पोजल का कचरा नर्मदा तट पर न फैलायें, किसी भी स्थिति में प्लास्टिक की गिलास एवं कटोरी का उपयोग न करें यह पूर्ण रूप से वर्जित है। अपने पात्र को साफ कर अपने पास रखें। संध्या पूजन के लिये अपने साथ दीपक, बत्ती एवं माँ नर्मदा का प्रसाद अवश्य लेकर जायें और व्यवस्था सहयोगी बने यह आयोजन आप, हम, सबका आयोजन है।

4 से 5 मई तक रामनगर मंडला में आदि उत्सव का भव्य आयोजन होगा

*** सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने आदि उत्सव कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर की बैठक।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला जिले के रामनगर में 4 से 5 मई तक आदिवासी लोक संस्कृति और संगोष्ठी पर आधारित आदि उत्सव 2025 का आयोजन किया जा रहा है। आदि उत्सव का आयोजन भव्य और गरिमामय पूर्वक होगा। सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कार्यक्रम की व्यापक तैयारियाँ को लेकर जिले के अधिकारियों की बैठक आयोजित कर आदि उत्सव को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष प्रफुल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि आदि उत्सव में आदिवासी लोक नृत्य और आदिवासी संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य शिविर और दिव्यांग शिविरों का भी आयोजन होगा। आदि उत्सव में मुख्यमंत्री विवाह/निकाह योजना के तहत विवाह कार्यक्रम भी सम्पन्न कराए जायेगे। आदि उत्सव कार्यक्रम में आदिवासी लोक संस्कृति पर आधारित गीत संगीत का भी कार्यक्रम होगा। उन्होंने आदि उत्सव कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को शामिल होने को कहा है।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि आदि उत्सव में आगंतुकों के लिए भोजन, बैठक, पेयजल का भी व्यापक प्रबंध किया जायेगा। कार्यक्रम स्थल पर यतायात पार्किंग आगमन एवं प्रस्थान मार्ग पृथक-पृथक करने के साथ कार्यक्रम स्थल में साज-सज्जा की तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्हेंने कहा कि आयोजित कार्यक्रम का प्रचार प्रसार हो ताकि में अधिक से अधिक नागरिक उत्सव में शामिल होकर इसे सफल बना सकें। सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल का भी निरीक्षण किया

तीन दिवसीय लीड फार्मर्स का प्रशिक्षण प्रारंभ

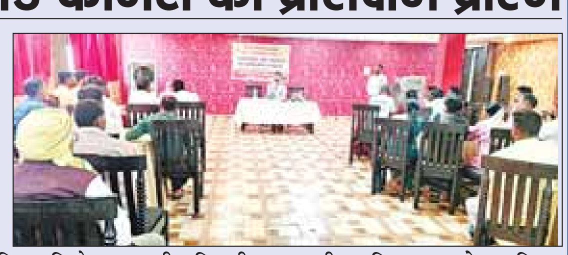

मण्डला। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 वाटरशेड विकास घटक योजना अंतर्गत मिशन मुख्यालय भोपाल से प्राप्त निर्देशों के अनुसार उत्पादन प्रणाली मद में क्लस्टर आधारित सब्जी उत्पादन (त्रिवेणी मॉडल) कार्यक्रम में जिला जबलपुर एवं मंडला से पधारे लीड फार्मर्स एवं विषय विशेषज्ञ का तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण आयोजन जिला मंडला में आयोजित किया गया। जिसके अंतर्गत आज सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, जिला परियोजना अधिकारी मंडला श्री उमेश सिंगरौरे द्वारा दीप प्रज्वलन के माध्यम से शुरुआत की गई। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए कार्यों के विषय में अपने अनुभव साझा किए गए। सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट के द्वारा तीन दिवसीय लीड फार्मर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम के विषय में मूल्यवान जानकारी एवं सुझाव कृषक बंधुओं को दिए गए। साथ ही आगे चलकर के अपने-अपने क्षेत्रों में सीखे गए कार्यों के माध्यम से उन्नत किस्म के प्रयासों को अपनाकर श्रेष्ठ कार्य करने की प्रेरणा दी गई।

भाजपा युवा मोर्चा ने किया कांग्रेस नेता राहुल और सोनिया का पुतला दहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के द्वारा सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट दायर करने के संबंध में कांग्रेस द्वारा देश की जनता को गुमराह किए जाने के विरोध में स्थानीय नेहरू चौक में भाजपा युवा मोर्चा के द्वारा राहुल गांधी और सोनिया गांधी का पुतला दहन किया गया। कांग्रेस सरकार ने अपने शासनकाल में अनेकों घोटाले किए हैं देश को भुखमरी और गरीबी की गर्त में धकेल दिया था। और देश की जनता को लगातार बरगलाने का प्रयास किया है लेकिन ये नया भारत है यहां भ्रांतियां फैलाकर झूठ बोलकर बचा नहीं जा सकता,यहां सबके लिए कानून एक समान है, जो भी गुनाहगार है उन्हें सजा अवश्य मिलेगी।

यह विरोध प्रदर्शन कांग्रेस की भ्रष्ट और देश विरोधी नीतियों के विरुद्ध युवाओं के आक्रोश का प्रतीक है। इस प्रदर्शन से कांग्रेस को यह संदेश दिया गया कि देश को लूटने वालों को क्षमा नहीं किया जाएगा। पुतला दहन के दौरान मीडिया से बात करते हुए जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने बताया कि नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार मामले में की गयी कार्यवाही से कांग्रेस बौखला गयी है एवं देश की जनता को गुमराह कर बेईमानी एवं भ्रष्टाचार करने की छूट मांग रही है। कांग्रेस को भ्रष्टाचार नहीं करने दिया जायेगा और जांच एजेंसी विधि सम्मत कार्यवाही की जायेगी।

इस दौरान युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष आशीष झारिया, नगर अध्यक्ष शिवा रानू राजपूत, विनय मिश्रा, सोशल मीडिया जिला संयोजक अंशुमाली शुक्ला, युवा मोर्चा जिला मंत्री मंगलेश चक्रवर्ती, नगर महामंत्री सौरभ गुप्ता, मयंक विश्वकर्मा, विभोर मिश्रा, अजीत सिंहानी, रवि सोनवानी, दिनेश चौधरी, मोंटी मलिक, शानू दुबे, सचिन शर्मा, हरीश गुरवानी, अंकित चौरसिया, दीपांशु दुबे, शिखा श्रीवास्तव, शुभम श्रीवास, सुधीर मिश्रा, नरेश सिंधिया, संजय गुप्ता, पंकज दुबे, अमन अग्रवाल, संदीप सिंगोर सहित बड़ी संख्या में भाजयुमो के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत निवास, जिला-मंडला

क्र./ज.पं./सामा.न्या.बि. /2025/4649 — निवास, दिनांक 15.04.2025

संक्षिप्त निविदा सूचना

जनपद पंचायत निवास में मुख्यमंत्री कन्या विवाह / निकाह योजना (संशोधित योजना 2025) के तहत दिनांक 24.04.2025 दिन गुरुवार को सामूहिक विवाह का आयोजन जनपद पंचायत निवास में किया जा रहा है। जिसमें वर-वधु को प्रदाय की जाने वाली सामग्री पूर्ति हेतु निविदा निम्नानुसार आंमत्रित की जाती है।

क्र.	सामग्री का विवरण	मात्रा
1.	टेण्ट व्यवस्था - पूर्व निर्धारित स्थान स्टेडियम ग्राउण्ड निवास में टेण्ट पण्डाल, स्पीकर सेट, चटाई, कुर्सी, कुर्सी कवर, टेबल आदि	लगभग 150 जोड़े
2.	भोजन व्यवस्था :- भोजन पैकेट (पुडी, सब्जी सालाद, आचार मीठा) लगभग 1500	
3.	पूजन सामग्री :- (मंगरोही, मिटटी के वर्तन, पीढ़ा, कच्चा सूत हल्दी, तेंल नारियल, अगरबत्ती, सुपाडी, पान, खाम, टोकनी, बीजना)	

उपरोक्त सामग्री हेतु निविदा पत्र बंद लिफाफे में 21.04.2025 को समय 1.00 बजे तक इस कार्यालय में जमा करें, निविदा पत्र के साथ सामग्री का नमूना एंव क्र. 01 से 03 तक अलग अलग निविदा के लिये अमानत राशि 5000/- रूपये नगद जमा करना होगा, तभी निविदा पत्र मान्य किया जावेगा। निविदा दिनांक 21.04.2025 को कार्यालयीन समय 3.00 बजे समिति के समक्ष खोली जावेगी। निविदा से संबधित विस्तृत नियम व शर्ते कार्यालयीन समय में सूचना पटल पर देखी जा सकती है। कम निविदा दर वाली फर्म को सामग्री जनपद पंचायत निवास में पंहुचा कर देना होगा। समिति का निर्णय अंतिम एंव मान्य होगा। टीप :- आयकर दाताओं को प्राथमिकता दी जावेगी टीडीएस कटौती सहित जोडो की संख्या संभावित होने से सामग्री की माँग घट या बढ़ सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत निवास

नगर में करोड़ो के विकास कार्य होने के बाद भी पशुओं के लिये चंद पानी टंकियों के निर्माण में दिखाई दे रही असमर्थता, हर साल मांग उठाये जाने के बाद भी आखिर क्यों कर दिया जाता है इस सच्चाई को नजरअंदाज...

प्यास से व्याकुल होकर शहर की सड़कों पर घूम रहे मूक पशुओं के प्रति किसी जनप्रतिनिधि को नहीं आ रही दया..

गाडरवारा

इन दिनों सूरज की तेज तपन का आलम इस तरह देखा जा रहा है कि पारा धीरे धीरे उग्र होते हुये आग बरसाने की ओर पहुंचने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। हाल यह बना रहा है कि लोग अपने घरों में लुकने के लिये मजबूर होते चले जा रहे है तो ठंडक का अहसास पाने के लिये अनेक प्रकार के ठंडे द्रव्यों का सेवन करते हुये दिखाई देने लगे है। यह बात अलग है कि आसमान में अचानक बादल छाने के चलते जिन किसानों के खेतों में फसल कटी रखी हुई है वह चिंता में देखे जा रहे है। मगर इस स्थिति में शहर की सड़को पर घूमने वाले मूक पशुओं को अपनी प्यास बुझाने के लिये व्याकुल होकर नालियों का पानी पीने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है और इसी के चलते वह नालियों में गिरने से घायल होना आम बात बन रही है..? क्योंकि बढ़ती हुई दिनों दिन धूप की तेज तपन के चलते हर व्यक्ति के चंद मिनिटों में सूख रहे कंठों को पानी की जरूरत महसूस की जाने लगी है और वह किसी भी तहर से अपनी प्यास बुझा लेते है। मगर हर साल सबसे बुरा हाल तो उन मूक पशुओं का होते हुये देखा जाता है जो नदी नालों के भरोसे रहा करते है। मगर इस समय नगर की शक्कर नदी की धाराएं टूटने की ओर पहुंचते हुये दिखाई देने लगी है? इस स्थिति में मूक पशुओं को अपने सूखें हुये कंठ की प्यास बुझाने के लिये नगर में कहीं पर भी कोई व्यवस्था ही नही रह गयी है। शहर की जीवन रेखा माने जाने वाली शक्कर नदी के इतिहास पर गौर किया जावे तो इस शक्कर नदी में जिस प्रकार से बारह महिने कल कल बहता हुए पानी दिखाई देता था जो बीते हुये कुछ वर्षो से गर्मी आने के पहले ही अपनी धाराये समेट लेती है और यही हाल अभी से दिखाई देने लगा है..? इस हाल के चलते मूक पशुओं के लिये सबसे बड़ी परेशानी झेलने के लिये मजबूर होने से नही बच पायेंगे। क्योंकि इन मूक पशुओं को पानी पीने के लिये शहर में कोई प्रबंध नही होने की स्थिति में वह नालियों का गंदा पानी पीकर किसी भी प्रकार से अपनी प्यास बुझाने के लिये मजबूर होने की स्थिति में अक्सर देखा जाता है कि वह पानी की चाहत के चलते इन नालियों में गिरकर घायल होने से भी नही बच पाते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय देखने मिलना शुरू हो गई है। क्योंकि इस समय चल रही अप्रैल माह में गर्मी धीरे धीरे अपने पूरे शबाब पर पहुंचते हुये जान पड़ रही है और आने वाले दिनों में भयानक रूप धारण करने में कोई कसर नही छोड़ेगी। इस स्थिति में जहां तहां जल स्रोत सूख जाने के कारण मूक पशुओं को पानी को लेकर परेशान होना आम बात बन चुकी है। क्योंकि नगर की शक्कर नदी की सिमटती हुई जल धाराओं के कारण नगर के पालतू पशु पीने के पानी को लेकर परेशान हो रहे है तो दूसरी ओर जंगली जानवर भी पानी की तलाश में यहां वहां भटकते हुए देखे जा रहे है। नगर की शक्कर नदी में पानी की कमी होने के कारण पशुओं के लिए नगर में कही भी पानी पीने के लिए कोई उचित व्यवस्था नही होने से वह गंदी नालियों में पानी खोज कर किसी भी तरह अपने प्यास बुझा रहे है और इसके कारण और नगर में बनी हुई गहरी नालियों में आये दिन मूक पशु गिरकर घायल होने से भी नही बच पा रहे है। मगर इस ओर आज तक न तो प्रशासन द्वारा कोई ध्यान दिया गया है और न ही जनप्रतिनिधियों द्वारा यदि नगर के अंदर पशुओं को पानी पीने के लिये जहां तहा बडी टंकियों का निर्माण करा दिया जाता तो निश्चित ही यह मूक पशु जहां अपनी प्यास बुझा लेते तो दूसरी ओर इन टंकियों का उपयोग उन लोगों को भी मिल जाता जो किसी काम से यहां पर आये हुये होते है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो शासकीय चिकित्सालय में भर्ती होने वाले मरीजों के साथ आने वाले लोगों के आलवा शहर में अपने अन्य कार्यों के लिए बाहर से आये हुए लोगों को भी नहाने से लेकर अन्य कार्यो को लेकर परेशान होते हुये देखा जाता है। पूर्व के समय में जब शक्कर नदी की धाराये बारह माह बहती थी तो लोग वहां पहुंचकर स्नान कर लेते थें। मगर अब गर्मी आने के पहले नदी के सूखने की ओर अग्रसर हो जाने से पशुओं के साथ साथ चिकित्सालय में भर्ती रहने वाले मरीजों के परिजनों सहित अन्य लोगों को परेशानियों से जूझना पड़ता है? जबकि गौर किया जावे तो हरिभूमि द्वारा प्रतिवर्ष गर्मी आते ही नगर में जहां तहां घूम रहे प्यासे मवेशियों को लेकर नपा प्रशासन से नगर में खनन किये गये नलकूपों के समीप पानी टंकियों (बडे टांकों) के निर्माण की मांग की जाती रही है। मगर आज तक इस ओर न तो नपा के जनप्रतिनिधियों द्वारा ध्यान दिया गया है और नही प्रशासनिक तंत्र द्वारा जिसके चलते मूक पशुओं को पानी पीने के लिये व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की सोच नही होने के कारण मवेशी हर वर्ष गर्मी के दिनों में अपनी प्यास बुझाने के लिए भटकते हुए देखे जाते है। इस प्रकार से पानी के लिए भटकते हुए मवेशियों की स्थिति को देखते हुए लोगों द्वारा मांग की जा रही है कि यदि नगर पालिका परिषद द्वारा नगर में जहां तहां चल रहे नलकूपों के पास 3*10 साइज के टांकों का निर्माण करवा दिया जावे तो जहां यह कार्य नगर पालिका के हतिहास में महत्वपूर्ण उपलब्धी के रूप में दर्ज होने से नही चूक पायेगा? वही गर्मी के दिनों में भटकते हुए पशुओं के साथ साथ आम लोगों के लिए एक राहत भरा हो सकता है। आमजन का कहना है कि नलकूपो के पास इस प्रकार के टांकों का निर्माण हो जाता है तो उन्हें अलग से भरने की जरूरत तो पड़ने से रही। क्योंकि नगर पालिका के नलकूप बड़ी टंकी को भरने के लिए तो दिन भर चलते ही रहते है और उसी से एक नल जोड़ते हुए इन टांकों को भी भरा जा सकता है जिसके चलते जहां मवेशियों को पीने के लिए ठंडा पानी भी उपलब्ध हो सकता है और बाहर से नगर में अपने जरूरी कामों से आने वाले लोगों को भी स्नान के लिए सुविधा उलब्ध हो सकती है। मगर पता नही क्यों इस पशुओं की बेवशी को प्रशासन सहित जनप्रतिनिधियों द्वारा नजर अंदाज कर दिया जाता है।

जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित होने से कलेक्टर ने नये नलकूप खनन पर लगाया प्रतिबंध, शासकीय जल स्रोतों का उपयोग सिर्फ घरेलू प्रयोजन के लिये

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। पेयजल एवं अन्य निस्तार समस्याओं को देखते हुए जनता को पेयजल प्रदाय बनाये रखने एवं बढ़ाने के लिए पेयजल का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए तथा जनता की आवश्यकता की पूर्ति के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती शीतला पटले ने म प्र पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 एवं संशोधन अधिनियम 2002 के प्रावधानों के तहत जनहित में जिले की समस्त विकास खंडों के ग्रामीण और नगरीय/ शहरी क्षेत्रों को तत्काल प्रभाव से जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित करने का आदेश जारी किया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू करते हुये 30 जून 2025 तक की अवधि के लिए लागू होगा। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के प्रावधानों के तहत एक पक्षीय तौर पर पारित किया गया है। वही जारी आदेश के अनुसार कोई भी व्यक्ति बिना अनुमति के जल अभावग्रस्त क्षेत्र में किसी भी शासकीय भूमि पर स्थित जल स्त्रोतों में पेयजल तथा घरेलू प्रयोजनों को छोड़कर अन्य किसी भी प्रयोजनों के लिये नहरों में प्रवाहित जल के अलावा अन्य स्त्रोतों का जल दोहन किन्ही भी साधनों द्वारा जल का उपयोग नही करेगा। वही सभी विकासखण्डों एवं नगरीय क्षेत्रों की समस्त नदियों, नालों, स्टापडैम, सार्वजनिक कुओं तथा अन्य जल स्त्रोतों का उपयोग एवं घरेलू प्रयोजन हेतु तत्काल प्रभाव से सुरक्षित किया गया है। जल अभावग्रस्त क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति स्वयं अथवा प्राईवेट ठेकेदार अनुविभागीय राजस्व अधिकारी के पूर्व अनुज्ञा प्राप्त किये बिना किसी भी प्रयोजन के लिये नवीन नलकूप का निर्माण नहीं करेगा। यह आदेश शासकीय नलकूप खनन पर लागू नही होगा। जारी आदेश में कहा गया है कि जिन व्यक्तियों को अपनी निजी भूमि पर नलकूप खनन कार्य कराना है, उन्हें ऐसा करने के लिये निर्धारित प्रारूप में निर्धारित शुल्क के साथ संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को आवेदन करना होगा। इस कार्य के लिए जिले के जल अभावग्रस्त क्षेत्र" के समस्त अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को उनके क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सक्षम अधिकारी प्राधिकृत किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी अनुमति देने के पूर्व आवश्यक जांच एवं परीक्षण की कार्यवाही पूर्ण कर लेवें तथा अनुमति दिये जाने के संबंध में संबंधित क्षेत्र के सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से अभिमत/ अनुशंसा प्राप्त करेंगे। खनित नलकूप असफल होने पर नलकपों में से केसिंग नहीं निकाली जायेगी। नलकूप में केप लगाकर चारों ओर 0.50x0.50x0.60 मीटर के साईज का सीमेंट कांकीट ब्लॉक बनाना अनिवार्य होगा। वही सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत सूख जाने के कारण वैकल्पिक रूप से दूसरा कोई सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत उपलब्ध नहीं होने पर जनहित में संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारी उस क्षेत्र के निजी पेयजल स्त्रोत को पेयजल परिरक्षण संशोधित अधिनियम 2002 के प्रावधानों और उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध मप्र पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा-9 (मध्यप्रदेश पेयजल परिक्षण (संशोधन) अधिनियम 2022 के द्वारा संशोधित) एवं भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

गुरूकुलम स्कूल द्वारा बच्चों को सामाजिक गतिविधियों से अवगत कराने प्रतिष्ठानों का कराया भ्रमण

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका

निश्चित तौर से अच्छे किस्म की शिक्षण संस्थाओं में बच्चों को पुस्तकों के ज्ञान के आलवा इस तरह की गतिविधियों से भी अवगत कराया जाता है जो उनकी जीवन शैली में काम आती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर के गुरूकुलम स्कूल में देखने मिल रही है। बताया जाता है कि माइलस्टोन CBSE इंटरनेशनल एवं गुरूकुलम इंटरनेशनल हायर सेकेंडरी स्कूल पोडार द्वारा अपनी संस्था के विद्यार्थियों के लिये सामाजिक विज्ञान विषय से संबंधित गतिविधि के अंतर्गत सालीचौका बाजार में विभिन्न प्रतिष्ठित दुकानों पर लेक जाकर संपर्क किया एवं व्यापार संचालको से उनके प्रतिष्ठान के विषय में जानकारी प्राप्त कराई गई। इस दौरान बच्चों के द्वारा व्यवसायियों से उनके व्यवसाय सहित सेवा और टैक्स से सम्बंधित प्रश्न पूछे गए। इस दौरान दुकानों के संचालको द्वारा कुशलता से उत्तर दिए गये। वही बच्चों के बाजार भ्रमण के दौरान सभी दुकान संचालको द्वारा सभी बच्चो को अपने प्रतिष्ठान में आने का आग्रह किया गया। इस दौरान माइलस्टोन CBSE स्कूल एवं गुरूकुलम हायर सेकेंडरी स्कूल पोडार के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास एवं इंग्लिश में उनके संवाद की कला को देखकर सभी नागरिको ने प्रशंसा व्यक्त की गई। इस प्रकार से स्कूल के शिक्षको ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधिया बच्चो के सर्वांगीण विकास में बहुत मददगार होती हैं तथा उनमें टीम निर्माण और नेतृत्व के गुण भी विकसित होते हैं और बच्चों का आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

शुक्रवार की शाम अचानक तेज आंधी तूफान ने सालीचौका सहित बारहाबड़ा क्षेत्र में ढाया कहर, पेड़ उखड़ने से मवेशियों की मौत व बिजली व्यवस्था हुई ठप्प

सालीचौका/बारहाबड़ा

इस समय क्षेत्र के किसान अपने खेतों में गेंहू फसल की कटाई के साथ साथ लगाई गई मूंग फसल की सिंचाई में लगा हुआ देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर लगातार तापमान में हो रही पड़ोत्तरी के कारण लोग गर्मी से भी बेहाल होते हुये देखे जा रहे है। मगर प्रकृति का जिस तरह खेल देखने मिल रहा है वही निश्चित तौर से किसानों के साथ साथ आम लोगों को परेशानियों में डालने से नही चूक रहा है। क्योंकि बीते हुये शुक्रवार की शाम अचानक आसमान पर काले बादल छाने के साथ तेज आंधी तूफान ने सालीचौका सहित बारहाबड़ा व अन्य आसपास के गांवों में जिस तरह केहर ढाया गया उसके चलते अनेक पेड़ जड़ से उखड़ जाने के कारण बिजली लाईनों पर गिर जाने के कारण खम्बे टूटने के कारण क्षेत्र के बिजली व्यवस्था ठप्प होने से नही चूक पाई है। वही बताया जाता है कि तेज हवा के चलते बसुरिया रेशम केन्द्र के पास वर्षो पुराना पीपल का पेड़ गिरने के कारण वहां पर बंधा हुआ एक किसान का बछड़ा दब जाने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वही दूसरी ओर क्षेत्र के बारहाबड़ा में गांव में अनेक लोगों के घरों के छप्पर उड़ जाने के कारण अब उन्हें चल रही भीषण गर्मी के दौरान रहनें के लिये परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा। वही दूसरी ओर किसानों के खेतो सहित गांवों में बिजली लाईनों पर पेड़ गिरने के चलते बिजली लाईने टूटने से अब किसानों को बिजली की समस्याओं का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा जिससे निश्चित ही उनकी मूंगों में चल रही सिंचाई का कार्य प्रभावित होने से नही चूक पायेगा। इस प्रकार से गर्मी के मौसम में प्रकृति जिस तरह से सितम ढाते हुये देखी जा रही है उसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा रहा है।

शासकीय माध्यमिक विद्यालय छीतापार में आयोजित हुई जल संगोष्ठी, जल संरक्षण के लिये दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत म प्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वाधान में गाडरवारा तहसील क्षेत्र के तथा परिषद की चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत भौरझिर सेक्टर के अंतर्गत शासकीय माध्यमिक विद्यालय छीतापार में जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को जल का महत्व बताया गया और अन्य लोगों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करने के लिए कहा गया। वही बताया जाता है कि आयोजित की गई संगोष्ठी के माध्यम से बच्चों को बताया गया कि छोटे- छोटे प्रयासों से जल को कैसे बचाया जा सकता है। इसके लिए आम नागरिकों द्वारा क्या प्रयास किया जा सकता है और जल की एक- एक बूंद को सहेजना क्यों आवश्यक है। इसके लिये बच्चों सहित ग्रामीणों को विस्तार से बताया गया। वही बच्चों को अपने घरों और आसपास में जल का सुदपयोग करने के लिए प्रेरित किया। जल संगोष्ठी के माध्यम से बताया गया कि राज्य शासन जल गंगा संवर्धन अभियान चला रहा है, जो 30 जून तक लगातार चलाया जायेगा।

तुअर उपार्जन के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल तक बढ़ी, गाडरवारा क्षेत्र के लिये निर्धारित किये केन्द्र, जहां पर होगा पंजीयन

गाडरवारा। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में खरीफ वर्ष 2024 (विपणन वर्ष 2024-25) समर्थन मूल्य पर तुअर यानि की राहर की खरीदी के लिए किसान पंजीयन का कार्य किया जा रहा है। किसान पंजीयन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित की गई है। पहले यह पंजीयन की अंतिम तिथि 20 अप्रैल नियत की गई थी, जिसे राज्य शासन ने किसानों के हित में अब अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2025 कर दी है। तुअर फसल के समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए किसान पूरे जिले के 58 पंजीयन केन्द्रों निर्धारित किये गये है जहां पर किसान जाकर पंजीयन करा सकते हैं। राज्य शासन द्वारा तुअर का समर्थन मूल्य 7550 रुपये क्विंटल घोषित किया है। किसान फसल तुअर के लिए पंजीयन ई- उपार्जन पोर्टल www.mpeu-parjan.nic.in पर 30 अप्रैल 2025 तक पंजीयन करा सकेंगे। इस तरह गाडरवारा क्षेत्र के लिये निर्धारित किये गये केन्द्रो में गाडरवारा तहसील क्षेत्र के किसानों हेतु सहकारी विपणन संस्था मर्यादित खुलरी के लिए जैन वेयर हाउस अजंसरा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सूरना के लिए राधारमण वेयर हाउस कौड़िया, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था गोटीटोरिया- चारगांव के लिए बड़कुर वेयर हाउस सिंहपुर छोटा, बृहत्ता सेवा सहकारी संस्था बसुरिया के लिए श्री माया वेयर हाउस बाबई कला, सेवा सहकारी संस्था पचामा के लिए मे. रेवाश्री वेयर हाउस सालीचौका, सेवा सहकारी संस्था चीचली के लिए विनायक वेयर हाउस सालीचौका, सेवा सहकारी संस्था बाबई कला के लिए जनकपुर वेयर हाउस सहावन, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित बोहानी के लिए दिव्या वेयर हाउस खैरीकला, सहकारी विपणन संस्था मर्यादित गाडरवारा के लिए शासकीय कैम्पस गाडरवारा, बृहत्ता सेवा सहकारी संस्था गाडरवाड़ा के लिए कृष्णा वेयर हाउस चिरह कला रोड, सेवा सहकारी संस्था सिहोरा के लिए जैन वेयर हाउस केन्द्र क्र. दो अजंसरा, सेवा सहकारी संस्था कौड़िया के लिए नूर वेयर हाउसिंग डमरूघाटी, सेवा सहकारी संस्था आड़ेगांव के लिए स्वर्णपरी वेयर हाउस सालीचौका, प्राथमिक सहकारी समिति मर्यादित चिर्रिया के लिए अंजली वेयर हाउस नांदनेर, सेवा सहकारी संस्था महगवां खुर्द के लिए प्रसन्ना वेयर हाउस गरधा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या शाहपुर- गाडरवारा के लिए दीप वेयर हाउस कनवास, सेवा सहकारी समिति छैनाकछार के लिए श्री साईं आशीष वेयर हाउस चीचली रोड व सेवा सहकारी संस्था सीरेगांव के लिए आदि शक्ति वेयर हाउस गाडरवारा में तथा तहसील सांईखेड़ा के अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था सासबहू के लिए आयरा वेयर हाउस सांईखेडा रोड, सेवा सहकारी संस्था रमपुरा के लिए मां मॉ अन्नपुर्णा वेयर हाउस रमपुरा, सेवा सहकारी समिति मडगुला के लिए मॉ रेवा वेयर हाउस देवरी, सेवा सहकारी संस्था कामती के लिए प्रतीक वेयर हाउस पिठेहरा, सेवा सहकारी संस्था तूमडा के लिए मॉ नर्मदा वेयर हाउस झिकोली, सेवा सहकारी संस्था बनवारी के लिए चौधरी वेयर हाउस सांईखेडा व सेवा सहकारी समिति पीपरपानी के लिए आर लक्ष्मण वेयर हाउस गरधा को पंजीयन केन्द्र बनायें गये हैं। क्षेत्र के सभी किसानों से अपेक्षा जताई गई है कि वह अधिक से अधिक संख्या में इन केंद्रों पर जाकर अपना पंजीयन करायें। पंजीयन कराने से किसानों को अपनी उपज सरकार को बेचने में आसानी होगी और उन्हें उनकी फसल का उचित मूल्य मिल सकेगा। पंजीयन प्रक्रिया सरल रखी गई है। पंजीयन के लिए किसान आवश्यक दस्तावेज जैसे भूमि के कागजात, पहचान पत्र और बैंक खाते की जानकारी के साथ नजदीकी पंजीयन केंद्र पर जाकर अपना पंजीयन करवा सकते हैं। सभी किसान 30 अप्रैल तक पर अपना पंजीयन अवश्य करा लें, ताकि वे सरकारी उपार्जन योजना का लाभ उठा सकें।

बच्चों को अंग्रेजी पढ़ाने का हो रहा लोगों पर जुनून सवार, गांवों में धड़ल्ले से खुल रही शासन के मापदंडों को दरकिनार करते हुये शिक्षण संस्थायें..

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। म.प्र.सरकार गांवों के शासकीय स्कूलों में बेहतर सुविधाएं देकर बच्चों को उनमें अध्ययन करने के लिए आकर्षित कर रही है, मगर जिन शासकीय शालाओं में शिक्षक नहीं है, उनमें योग्य शिक्षक, अतिथि शिक्षक, संविदा शिक्षक भेजे जा रहे है। वही छात्र छात्राओं को गणवेश से लेकर साईकिलों के साथ साथ छात्रवृति सहित भोजन व निःशुल्क पुस्तके भी दी जा रही हैं। किन्तु आश्चर्य का विषय है कि शहरों की तरह ग्रामों के अभिभावकों पर भी अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ाने का जिस प्रकार से जुनून छा रहा है, उसका नतीजा है कि गांवों में भी अब अंग्रेजी माध्यम की धड़ल्ले से निजी शालाएं खुलती चली जा रही है जहां पर खुलेआम शासन द्वारा निर्धारित किये गये माप दंडो को दर किनारे करते हुए मनमानी फीस बसूली जा रही है। जहां पर अक्सर देखा जाता है कि जब शिक्षा शत्र की शुरूआत होती है तो प्रवेश लेने वाले बच्चों को सीट फुल होने का भय दिखाते हुए अधिक डोनेशन प्राप्त करने का फंडा अपनाया जाता है..? जिसके चलते देखा जा रहा है कि इस साल अप्रैल माह में नये शिक्षा सत्र की शुरूआत होने के चलते इन स्कूलों द्वारा जहां तहां बैनर पोस्टर लगाते हुये अभिभावकों को लुभाने की शुरू कर भी करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है? गौरतलब है कि अंग्रेजियत में डूबी इन निजी शालाओं की फीस महंगी तो होती ही है इसके अलावा इनमें पढ़ने वाले बच्चों से डोनेशन और अन्य मदों में राशि की बसूली कर अभिभावकों को आर्थिक शोषण किया जाता है..?अनेक निजी शालाएं तो ऐसी भी रहती है जो स्थापना के निर्धारित माप दंडों पर खरी नहीं होती, इनके पास न तो व्यवस्थित खेल मैदान होता और न ही पुस्तकालय, प्रयोग शालाा तथा अन्य सुविधाएं रहती है, वही पढ़ाने वाले शिक्षको की स्थिति देखी जावे तो वह खुद अग्रेजी नही जानते है, मगर बच्चों को अग्रेजी पढ़ाने की बात करते है? जिन गांवों के अधिकांश निवासी ए बी सी डी नही जानते, उनमें नेटवर्क फैलाकर ये निजी स्कूल अंग्रेजी शिक्षा का महत्व बताकर अभिभावकों को जाल मंल फंसा लेते है और बच्चों के दाखिले के बाद शुरू हो जाती है वह अभिभावकोंके शोषण की कहानी जिसका पूरे साल अंत नहीं होता? उल्लेखनीय है कि महंगाई के इस दौर में किताबों, कापियों, बच्चों को गणवेश तथा अन्य शालेय सामग्री के दामों में इजाफा होने से बैसे ही बच्चों को शिक्षित कराने में अभिभावक परेशान रहते है, ऊपर से गांवों में आयी निजी स्कूलों की बाढ़ से शिक्षा-व्यवस्था और गड़बड़ होती चली जा रही है, मजेदार तथ्य है कि जहां एक तरफ अंग्रेजी मीडियम स्कूल चमचमाते इश्तहार तथा विज्ञापन प्रकाशित कर शासकीय स्कूलों से अभिभावकों को मोह भंग करते हुए अपना तामझाम फैला रहे है।

शिवाजी इंटरनेशनल स्कूल
ADMISSION OPEN
ENGLISH MEDIUM | Class - Play group to 10th
व्यवस्थित प्लेग्राउंड एवं एक्टिविटी क्लासेस, सुरक्षित वाहन सुविधा
Do Visit Once Before Getting Your Child Admitted
सांस्कृतिक परिवेश में सुदृढ़ व आधुनिक अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा
*Abacus Classes for all students
WITH CBSE PATTERN
100% Digital Smart Classes With Smart Teachers
निरंजन वार्ड, आचार्य महल के पास, गाडरवारा जि. नरसिंहपुर मो. 9977414248

दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल गाडरवारा
CBSE बोर्ड आधारित, DPIS Org. नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
नर्सरी से कक्षा सातवी तक
DPIS
प्रवेश निःशुल्क
विवेकानंद वार्ड, शनि मंदिर के पास, सांईधाम कॉलोनी, गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर
Mob.-9039230199, 7224021199 Email- dpsgadarwara@gmail.com

ग्रामीणों और सरपंच की शिकायत के बाद भी खाद्य विभाग ने नहीं की कार्यवाई

ग्रामीणों को बांट दिया मिट्टी मिला और घुन लगा गेहूं

राषन वापस करने ग्रामींण पहुंचे सोसायटी

अमरपुर विकास खंड के घेवरी राशन दुकान का मामला

डिंडौरी। आदिवासी बाहुल्य डिंडौरी जिले में राशन दुकान से ग्रामीणों को वितरित किए जाने वाले खाद्यान्न की गुणवत्ता पर अक्सर सवाल उठाते रहे हैं। घटिया राशन वितरण करने के मामले भी समय-समय पर सामने आते रहते हैं। बावजूद इसके न तो विभागीय अधिकारी और न ही जिला प्रशासन इस ओर कोई सख्त कार्रवाई कर पा रहा है। ऐसे में संबंधितों के हौसले भी काफी बुलंद होते जा रहे हैं। वे बेखौफ होकर कार्ड धारी ग्रामीणों को घटिया एवं सडा हुआ गेहूं, चावल वितरण कर मनमानी पर उतारू है। ताजा मामला जिले के जनपद पंचायत अमरपुर के अंतर्गत ग्राम घेवरी में प्रकाश में आया है। यहां पर शासकीय उचित मूल्य की दुकान से ग्रामीणों को गुरूवार को मिट्टी युक्त, घुना हुआ गेहूं का वितरण कर दिया गया। ग्रामीणों ने इसका विरोध भी किया और शिकायत भी दर्ज कराई बावजूद इसके अभी तक विभाग द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने से व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लग रहे हैं।

मुफ्त राशन वितरण बना मजाक-

घेवरी में आदिवासियों को मुफ्त राशन वितरण के नाम पर मजाक किया जा रहा है। प्रीतम धुर्वे ग्राम खम्हरिया, हेमलाल धुर्वे घेवरी, चन्दर पंद्रो खम्हरिया, और रतन सैयाम घेवरी ने बतलाया कि घेवरी गांव में संचालित सरकारी राशन दुकान से गरीबों को वितरित किया गया गेहूं पूरी तरह सड़ा और घुना हुआ है और इसमें कीड़े भी रेंगते नजर आ रहे हैं। ऐसी स्थिति में अब ग्रामीण गेंहू वापस करने राशन दुकान पहुंचे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गुरूवार को जब शासकीय उचित मूल्य दुकान का सेल्समेन मुफ्त में गेंहू दे रहा था तो ग्रामीणों ने इसका विरोध भी किया था, लेकिन उन्हें यह कहकर भगा दिया गया कि ऊपर से जैसा गेंहू आया हैं वैसा दिया जा रहा है। बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जिस गेंहू को मवेशी भी नहीं खा सकते उस गेंहू को ग्रामीण घर ले गए है। इस संबंध में ग्राम पंचायत के सरपंच रायसिंह मरकाम का कहना हैं कि उन्होंने खाद्य अधिकारी से मामले की शिकायत भी की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब मजबूरी में ग्रामीण कीड़े युक्त सड़ा हुआ गेहूं घर ले गये। इसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है।

हाल ही में उजागर हुई थी बड़ी गड़बड़ी-

अभी कुछ माह पहले ही जिले के जनपद पंचायत डिंडौरी के अंतर्गत ग्राम बटोंधा में खराब चावल शासकीय उचित मूल्य की दुकान से क्षेत्र के आदिवासियों को वितरण करने का मामला उजागर हो चुका है।इस मामले में उच्च स्तरीय जांच भी हो चुकी है। जांच में चावल खराब पाया गया था। इसके बाद जिन गोदामों में चावल भंडारित करके रखा गया था उन गोदामों की भी जांच का दौर चला। इसके अलावा इस वर्ष धान खरीदी में भी जिले में बड़ी गड़बड़ी उजागर हुई है, जिसमें हजारों क्विंटल धान खरीदी करने वाली सोसाइटियों से गायब होना सामने आया। बड़ी गड़बड़ी को देखते हुए ईओडब्लू की टीम ने भी जिले में दबिश देकर जांच की थी। लैंप्स सरहरी के प्रबंधक के खिलाफ ईओडब्लू द्वारा अपराध भी दर्ज किया जा चुका है। इसके बाद भी जिले में समर्थन मूल्य पर धान और गेहूं खरीदी में गड़बड़ी सहित धान की मिलिंग के बाद गोदाम से राशन दुकानों तक घटिया स्तर का राशन पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है।

खबर संक्षेप

आठ साल से फरार स्थायी वारंटी को समनापुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

डिंडौरी। पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी समनापुर निरीक्षक कामेश कुमार धूमकेती के नेतृत्व में विगत आठ साल से फरार एक वारंटी को गिरफ्तार किया गया है। समनापुर पुलिस के अनुसार न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी डिण्डौरी के न्यायालय से धारा 279, 337, 338 के मामले में 08 साल से फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए स्थायी वारंट जारी किया गया था। बताया गया कि वारंटी हेमकुमार पिता खेमसिंह गोंड निवासी ग्राम बिलाईखार थाना समनापुर की गिरफ्तारी के लिए थाना प्रभारी समनापुर निरीक्षक कामेश कुमार धूमकेती के विशेष मार्गदर्शन में टीम बनाई गई। वारंटी की तलाश हेतु टीम लगातार प्रयास कर रही थी। गुरुवार को ग्राम बिलाईखार में स्थायी वारंटी हेमकुमार के अपने घर आने व छिपकर रहने की सूचना मुखबिर से मिलने पर । थाना प्रभारी निरीक्षक के मार्गदर्शन में घेराबन्दी कर दबिश दी गई तो आरोपी स्थायी वारंटी छिपा हुआ था जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा जिसे पकडकर पूछताछ कर तस्दीक की गई। पूछताछ में उसने अपना नाम हेमकुमार पिता खेमसिंह गोंड निवासी ग्राम बिलाईखार समनापुर बताया। वारंटी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। कार्यवाही में निरीक्षक कामेश कुमार धूमकेती, प्रधान आरक्षक भारत लाल बसन्त, कृष्णपाल सिंह, आरक्षक सियाराम मरकाम, आशीष घरडे, ओमकार आर्मो की विशेष भूमिका रही।

जिला चिकित्सालय में सीरो पॉजिटव हेमोडायलिसिस सुविधा उपलब्ध कराने की मांग

डिण्डौरी। जिला चिकित्सालय में किडनी से संबंधित बीमारी से पीड़ति मरीजों के लिए डायलिसिस कराने की सुविधा उपलब्ध है। और हर रोज मरीजों का डायलिसिस किया जा रहा है। लेकिन सीरोपॉजिटिव मरीजों के लिए जिला चिकित्सालय में सुविधा उपलब्ध नही है। जिसके कारण मरीजों को दूसरे जिले में उपचार के लिए जाना पड़ता हैं ।इस बावद मरीजों और उनके परिजनों ने विगत दिन कलेक्टर को लिखित आवेदन देते हुए सीरोपॉजिटिव हेमोडायलिसिस का उपचार जिले में ही उपलब्ध कराने की मांग की है। दिये गये आवेदन में उल्लेख किया गया है कि राज्य सरकार के आदेष अनुसार अपेक्स किडनी केयर के द्वारा मध्यप्रदेष के सभी जिला चिकित्सालय में डायलिसिस यूनिट संचालित की जा रही है जिसमें जिला चिकित्सालय में किडनी रोगियों को हेमोडायलिसिस उपचार प्रदान किया जा रहा है। जिसमें सीरोपॉजीटिव एंव सीरोनेगटिव दोनों तरह के मरीजों को उपचार उपलब्ध कराने के निर्देष है । लेकिन जिला चिकित्सालय डिण्डौरी में सीरोपॉजीटिव मरीजो को डायलिसिस उपचार मुहैया नही कराया जा रहा है जिस कारण मरीजों को दूसरे जिले जिसमें शहडोल, जबलपुर, और उमरिया जाना पडता है जिससे शारीरिक एवं आर्थिक परेषानी होती है। पीडित और परिजनों ने आवेदन के माध्यम से जिला चिकित्सालय में ही सीरोपॉजीटिव मरीजों के लिए डायलिसिस उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। इस बावद सिविल सर्जन डॉ.अजय राज ने बतलाया कि सीरोनेगटिव डायलिसिस की सुविधा जिला चिकित्सालय में उपलब्ध है और हर रोज ऐसे मरीजों को डायलिसिस सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है लेकिन सीरोपॉजीटिव संक्रमण से संबंधित बीमारी है और इसकी सुविधा जिला चिकित्सालय में नही है ।

न्यू डोला के लापता युवक को रामनगर पुलिस किया सकुशल दस्तयाब

राजनगर। थाना रामनगर क्षेत्र के अंतर्गत न्यू डोला निवासी प्रभात रैदास पिता राजेस उर्फ राजु रैदास, उम्र 21 वर्ष, जो 12 अप्रैल को घर से बिना बताए लापता हो गया था, को पुलिस ने सतर्कता और तत्परता से दस्तयाब कर लिया है। गुमशुदगी की सूचना मिलने पर थाना रामनगर में गुम इंसान क्रमांक 12/25 पर मामला पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया था।

अतिक्रमण हटाने की कवायद शुरू, एसडीएम ने तहसीलदार और पटवारी से की रिर्पोट तलब

गाड़ासरई बस स्टैंड में अव्यवस्थाओं का अंबार, एसडीएम से मिले नगरवासी

2014 से कर रहे प्रयास पर सफलता नहीं हुई हासिल एक बार पुनः जागी उम्मीद

डिंडोरी

गाड़ासरई जिले का दूसरा नंबर का सबसे बड़ा व्यापारिक केंद्र है जहां स्थित बस स्टैंड से दर्जनों वाहन नजदीकी राज्य छत्तीसगढ़ एवं अनूपपुर, शहडोल, अमरकंटक, डिंडोरी व बजाग की ओर संचालित है । लेकिन शासन-प्रशासन व जनप्रतिनिधियो की उपेक्षा के चलते बदहाल स्तिथि में पहुंच चुका है। आलम यह है कि अतिक्रमणकारियों ने समूचे बस स्टैंड में कब्जा कर चाय, पान, फल व अन्य दुकाने खोल रखी है जिससे बस स्टैंड परिसर में गाड़ियों को खड़ा करने के लिए समुचित व्यवस्था नहीं है जिस कारण अधिकांश बस व टैक्सीया सड़क पर ही खड़ी रहती है। जिससे दुर्घटना का भय बना रहता है।

गंदगी से भरा पड़ा बस स्टैंड परिसर'-

गाड़ासरई बस स्टैंड में बरसात के मौसम में जिस तरह से पानी व कीचड़ जमा रहता है, वैसी स्तिथि बारह महीने बनी रहती है। यह होटलो व चाय दुकानों से निकलने वाले पानी नाली ना होने के कारण सीधे बस स्टैंड परिसर में फेल जाता है जिससे गंदगी व कीचड़ हर समय बना रहता है, बावजूद इसके जिला प्रशासन का ध्यान इस ओर नहीं जाता, जिस कारण से यात्रीयो को बड़ी असुविधा महसूस होती है।

बिना यूनीफॉर्म के चल रहे वाहनों में चालक-परिचालक-

जनहित को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा अनेक महत्वपूर्ण नियम बनाये जाते हैं, लेकिन इन नियम को, किस तरह से तोड़ा जा रहा है, इसका अनुमान परिवहन विभाग से लिया जा सकता है। जहां के अधिकांश नियमों को ताक पर रखकर मनमर्जी से कार्य किया जा रहा है।। गौरतलब है कि साल भर पूर्व यूनीफॉर्म पहनने वाले इस फरमान का अमल आज तक डिंडोरी जिले में नहीं किया गया।

2014 से कर रहे प्रयास नही मिली सफलता -

अधिवक्ता सम्यक जैन ने बताया कि उक्त मामले को उच्च न्यायालय के संज्ञान में लाया गया था जहां से न्यायालय ने कलेक्टर डिंडोरी को निर्देशित कर शिकायत की जांच करने के निर्देश दिये थे वही उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए तथा सभी संबंधितों को अवसर देते हुए अतिक्रमियों और अनाधिकृत संरचनाओं के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा सार्वजनिक संपत्ति पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए निर्देश दिये थे लेकिन अब तक स्तिथि जस की तस है । साथ ही यह भी निर्देश दिये थे की, यदि राजस्व प्राधिकरण सार्वजनिक संपत्ति पर खड़े अनधिकृत ढांचे को हटाने या ध्वस्त करने की कार्यवाही करना चाहता है और उसे इस कार्यवाही के संबंध में अतिक्रमणकारियों से किसी भी तरह के खतरे की आशंका है, तो वह पुलिस अधीक्षक, डिंडोरी से सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने का अनुरोध कर सकता है। यदि ऐसा अनुरोध किया जाता है, तो पुलिस अधीक्षक व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करेंगे कि सार्वजनिक संपत्ति पर खड़े अनधिकृत ढांचे को हटाने, ध्वस्त करने की कार्यवाही के लिए राजस्व प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित तिथि और समय पर पर्याप्त पुलिस बल मौके पर तैनात किया जाए।

एसडीएम के संज्ञान में आते ही प्रकरण में दिये त्वरित कार्यवाही के निर्देश -

नवागत एसडीएम राम बाबू देवांगन का चार्ज होते ही क्षेत्र वासी अधिवक्ता सम्यक जैन के माध्यम से नवागत एसडीएम से मिले और प्रकरण के संबंध में पूरी जानकारी दी। जहां एसडीएम ने पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट द्वारा पारित आदेश के पालनार्थ त्वरित कार्यवाही करते हुए वस्तुस्थिति परखने पटवारी व तहसीलदार से रिपोर्ट तलब की है, जिस उपरांत वैधानिक कार्यवाही जनहित में हाई कोर्ट के दिशानिर्देशनुसार की जाएगी. गौरतलब है कि सुविधायुक्त बस स्टैंड निर्माण हेतु हॉल निर्माण के लिए और शौचालय निर्माण के लिए दो बार तक ग्राम पंचायत में पैसा भी आया है लेकिन अतिक्रमणकारियों के अतिक्रमण की वजह से यह जन उपयोगी तीनों काम नहीं हो सके.

पांच साल से सामाजिक बहिष्कार का दंश झेल रहा एक परिवार

पुलिस सहित सीएम हेल्प लाईन में शिकायत दर्ज कराने के बाद भी नही हुआ निराकरण

पुलिस चौकी अमरपुर के खुडिया गांव का मामला

डिण्डौरी। पुलिस चैकी अमरपुर अंतर्गत ग्राम खुड़िया निवासी एक युवक ने गांव के ही समाज के लोगों पर समाज से बहिष्कृत करने का आरोप लगाया है। जिसकी षिकायत विगत दिन कलेक्टर से करते हुए न्याय की मांग की है। पीड़ति अंबेसिंह ठाकुर ने की गई लिखित षिकायत में उल्लेख किया है कि गांव के ही समाज के लोगों ने बगैर कारण के पाच साल पूर्व समाज से बहिष्कृत कर दिया है। ग्राम में आयोजित होने वाले सामाजिक कार्यक्रम में उसके परिवार को नही बुलाया जाता साथ ही उसके परिवार में भी होने वाले आयोजन में कोई भी समाज का व्यक्ति शामिल नही होता । पीड़ति ने आरोप लगाया है कि समाज के लोग उसके परिवार से भेद भाव करते है कुछ वर्ष पूर्व वह गांव में नल जल योजना में पानी सप्लाई करता था लेकिन समाज के लोगों के कहने पर उसे ग्राम पंचायत के सरपंच के द्वारा काम से निकाल दिया गया है। आलम यह है कि अब उसके पास रोजगार नही है जिससे परिवार के भरण पोषण में भी परेषानी पेष आ रही है । इस बावद पुलिस में भी षिकायत दर्ज कराया था लेकिन राहत नही मिली साथ ही सीएम हेल्प लाईन में भी षिकायत दर्ज कराया है लेकिन एक वर्ष बीतने जा रहा है कोई निराकरण नही हुआ है। अंबेसिंह ने आरोप लगाया कि समाज के लोगों के द्वारा ग्राम पंचायत के सरपंच को भी मेरे खिलाफ भड़काया गया है। जिसके चलते कोई भी जरूरी कागजों पर हस्ताक्षर नही करता है। सरपंच द्वारा कहा जाता है कि गांव के लोगों से इजाजत लेकर आओ तब हस्ताक्षर करूंगा । पीडित ने बतलाया कि वह समाज के लोगों से प्रताडित है और उसे न्याय नही मिल रहा है जिससे मानसिक रूप से परेषान है।

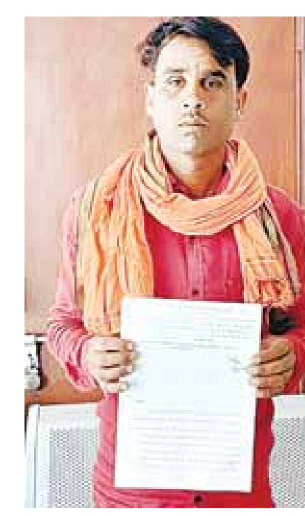

ऑटो पलटने से एक की मौत, आधा दर्जन घायल

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिमरिया तिराहा में ऑटो पलटने से एक किशोर की मौत हो गई, वहीं आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। फरियादी मृगेंद्र सिंह उददे पिता महेंद्र प्रसाद उददे उम्र 21 साल निवासी ग्राम बल्लारपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि गुरुवार की शाम करीब 6 से 7 बजे मेरे पिता मुझे बताये कि नाती अंशुल तेकाम का सिमरिया तिराहा के पास आटो से एक्सीडेंट हो गया है। अंशुल को जिला अस्पताल लेकर गये है। अंशुल के पिता पवन तेकाम और गांव के दूसरे लोग जिला अस्पताल पहुंचे। जिला अस्पताल में अंशुल तेकाम की मौत हो चुकी थी। मेरा भांजा अंशुल तेकाम पिता पवन तेकाम उम्र करीब 14 साल गुरुवार को सुबह करीब 09.30 से 10 बजे के बीच बजे अपने घर बल्लारपुर से बुआ के घर डिण्डौरी आया था। शाम करीब 06 बजे डिण्डौरी से वह वापस बल्लारपुर जाने के लिये आटो क्रमांक एमपी 52 आर 1275 में बैठा था। जैसे ही अमरकंटक रोड मे सिमरिया तिराहा के पास पहुंचे तभी आटो चालक ने आटो को लापरवाही पूर्वक चलाते हुये पलटा दिया, जिससे आटो मे बैठे लोगो को चोट आयी है। मेरे भांजे अंशुल तेकाम की एक्सीडेंट से आयी चोटो के कारण मृत्यु हो गयी है। दुर्घटना में आटो में बैठे अन्य छह लोग भी घायल है, जो जिला अस्पताल मे ईलाज करवा रहे है। रिपोर्ट पर ऑटो चालक के विरूद्ध बीएनएस की धाराओं के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

सरकारी हैंडपंप से हटाया गया कब्जा

डिंडौरी

जिले के समनापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत माधोपुर अंतर्गत ग्राम बहेरा माल में विगत एक वर्ष से शासकीय हैंडपंप में किया गया कब्जा पीएचई विभाग द्वारा हटाया गया। हैंडपंप में कब्जा कर मोटर डालते हुए निजी उपयोग करने का मामला हरिभूमि अखबार में प्रमुखता से विगत दिवस प्रकाशित किया गया था। समाचार प्रकाशन के बाद गुरूवार को कार्यवाही करते हुए हैंडपंप से मोटर निकलवाकर कब्जा हटवाया गया। गौरतलब है कि सरकारी हैंडपंप में एक व्यक्ति का कब्जा होने से ग्रामीण पानी के लिए परेशान हो रहे थे और उन्हें पानी नहीं मिल पा रहा था। बताया गया कि हैंडपंप से निकलवाई गई मोटर को एक ग्रामीण को ही देने पर सवाल उठ रहे हैं। इस ओर सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही

बीड़ी उद्योग के सिकुडते बाजार ने तेंदू फल को किया प्रभावित

तेंदू फल यानि जादुई फल, ड्राई फ्रूट भी इसके आगे फेल

स्थानीय बाजारों में अब इसकी मौजूदगी हुई बहुत कम

अनूपपुर। गर्मी की शुरुआत के साथ ही जंगलों में तेंदू फल पकने लगे हैं। लोग इसे खाना खूब पसंद करते हैं. जितना यह खाने में अच्छा लगता है, उतना ही यह सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इन दिनों यह बाजार में भी खूब बिकने आ रहा है । तेंदू फल के गुणों की बात की जाए तो यह आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होता है। यह फल सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। ग्रामीण इलाकों में इसे ताकत बढ़ाने वाला फल कहा जाता है, इसका नियमित सेवन पाचन तंत्र को मजबूत करता है और शरीर को ऊर्जा देता है। इन दोनों अनूपपुर जिले के कोतमा बिजुरी नगर में मध्य प्रदेश के सीमावर्ती छत्तीसगढ़ क्षेत्र के बैरीडांड गांव से महिलाएं तेंदू फल को जंगल से तोड़कर ट्रेन से यहां बेचे आती है। इतना ही नहीं शहडोल जिले के झींक बिजुरी सहित केशवाही क्षेत्र के जंगलों में भी तेंदू के पेड़ बहुतायत मात्रा मे लगे है। वहां से भी महिलाएं तेंदू फल को कोतमा बाजार में बेचने आती है।

आया तेंदू फल का सीजन

सीमावर्ती जिला शहडोल सहित छत्तीसगढ़ के कई जिलों के जंगलों में बड़ी संख्या में तेंदू के पेड़ पाए जाते हैं, जिसके चलते ग्रामीण इस फल को जंगल से तोड़कर शहरों और गांवों के बाजारों में सस्ते दामों में बेचते हैं। जानकारो के मुताबिक तेंदू फल का सीजन बैशाख तक रहता है, लेकिन जेठ तक यह कहीं-कहीं मिल पाता है। हालांकि, अब यह स्थानीय बाजारों में बहुत कम मात्रा में दिखाई देता है।

बाजारों से गायब हो रहे तेंदू फल

ज्ञात हो कि तेंदू फल के कम होने की एक बड़ी वजह बीड़ी उद्योग का धीरे-धीरे बंद होना भी है। दरअसल, तेंदू के पत्तों का उपयोग बीड़ी बनाने में होता था, लेकिन स्वास्थ्य पर बुरे असर के कारण बीड़ी का कारोबार सिमटने लगा है. जब तेंदू पत्तों का संग्रहण कम हुआ, तो जंगलों में जाने वाले मजदूर भी घट गए, जिससे तेंदू फल बाजारों में कम दिखाई देने लगे हैं। जानकारों का कहना है कि तेंदू फल गर्मी में सेहत के लिए बहुत लाभकारी होता है, यह शरीर को ठंडक और ताकत देने वाला फल है । इस बार बाजार में तेंदू फल 30 से 40 रुपये किलो की दर से बिक रहा है. बुजुर्गों के मुताबिक, पहले यह फल आसानी से मिल जाता था, लेकिन अब इसे लाने के लिए लोग ज्यादा मेहनत नहीं कर रहे हैं। जंगलों से फल लाने वाले इसे गांव-गांव और शहरों में बेचते हैं, जिससे उन्हें थोड़ी आमदनी भी हो जाती है। छत्तीसगढ़ के बौरीडांड से तेंदू बेचने आई महिला ने बताया कि हम लोग दो दिन छोड़कर घर के नजदीक ही जंगल है वहां से तेंदू फल लाते हैं और ट्रेन से जिला मुख्यालय अनूपपुर समेत कोतमा बिजुरी के बाजार मे बीस से तीस रूपए किलो की दर से लाकर बेचते है।

खबर संक्षेप

चौथी कक्षा में शिविका ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्थानीय चावरा विद्यापीठ द्वारा घोषित किए परीक्षा परिणाम में कक्षा चौथी की छात्रा शिविका पचौरी द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरवान्वित किया। ज्ञात हो कि शिविका श्रीमती रश्मि व सुनील पचौरी की पुत्री है। छात्रा की उपलब्धि पर परिजनों व विद्यालय परिवार द्वारा छात्रा के उज्वल भविष्य की कामना की।

रेलवे टैक पर मिला युवक का शव

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र ठेमी अंतर्गत करकबेल रेलवे स्टेशन के पास युवक का शव क्षत विक्षत अवस्था में मिला। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार विजय कुशवाहा पिता राम प्रसाद कुशवाहा उम्र 28 वर्ष निवासी खापा थाना ठेमी का शव करकबेल स्टेशन के पास क्षत विक्षत अवस्था में मिला सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे मे लेकर मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंपा दिया।

जमीनी विवाद को लेकर पुत्र ने पिता के साथ की मारपीट

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जमीनी विवाद को लेकर पिता एवं पुत्र में विवाद हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बैनी प्रसाद लोधी पिता निहाल सिंह लोधी उम्र 62 वर्ष निवासी रानी पिड़रई थाना स्टेशनगंज की अपने घर पर ही पुत्र के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया जिस पर बेटे ने मारपीट कर दी जिसमें वृद्ध घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचारी जारी है।

प्रशिक्षण का किसानों को मिलेगा लाभ

देवारण्य योजना के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

औषधि पौधे, कृषि, भंडारण प्राथमिक संस्करण की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस राज्य शासन की देवारण्य योजना के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ कृषि विज्ञान केन्द्र नरसिंहपुर में किया गया। इस योजना के तहत एक जिला- एक औषधि पादप सहजन अर्थात मुनगा के प्रचार-प्रसार अभिसरण के विभागों की योजना व औषधि पौधे की कृषि संग्रहण, भंडारण प्राथमिक संस्करण विपणन आदि विषयों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जिले के 10 मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो विकासखंड स्तर पर जाकर विभिन्न एफपीओ एवं किसानों को प्रशिक्षित करेंगे। यह प्रशिक्षण आयुष विभाग नरसिंहपुर द्वारा मध्य प्रदेश राज्य औषधि पादप बोर्ड के तत्वाधान में दिया जा रहा है। कृषि विज्ञान केंद्र के विभिन्न विशेषज्ञों ने सहजन की कृषि एवं इसके प्रसंस्करण से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया।

समस्याओं का बताया निदान

प्रशिक्षण में कृषि वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष शर्मा ने सहजन की खेती में आने वाली समस्याओं और उनका निदान के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों द्वारा पूर्व में जिले में सहजन की खेती में क्या कमी रह गई थी और उसे किस प्रकार से सुधारा जा सकता था। आज के समय में फसलों में उपयोग किए जाने वाले रासायनिक कीटनाशक मानव जीवन के लिए किस प्रकार से घातक सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि ऐसी बहुत सी फसलें हैं, जो बिना रासायनिक व कीटनाशक

आदि के उपयोग करके भी उगाई जा सकती हैं। इसमें औषधि सहजन एक ऐसी फसल है, जो बिना रासायनिक व कीटनाशक के उगाई जा सकती है। कम पानी में भी यह उग कर अच्छी फसल दे सकती हैं।

सहजन औषधि से बढ़ाए उत्पादन

उन्होंने बताया कि किसान सहजन औषधि पौधे के विभिन्न भाग जैसे फूल, फल, पत्ते को अलग- अलग संग्रह करके इनसे अधिक से अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। किसान किस प्रकार से अपनी मौसमी फसलों के साथ- साथ मल्टी लेयर फार्मिंग के द्वारा सहजन औषधि का उत्पादन कर सकता है। उन्नत पैदावार के लिए पीकेएम- 1 व 2 के बीजों का उपयोग कर फसल की अच्छी पैदावार प्राप्त कर सकते हैं। इस दौरान एफपीओ, फार्मर प्रोडक्शन ऑर्गेनाइजेशन जिला वन समिति की योजना को सफल बनाने के लिए सहभागिता के बारे में चर्चा की गई। जिला आयुष अधिकारी डॉ. सुरत्ना सिंह चौहान ने योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मप्र राज्य औषधि पादप बोर्ड इस योजना के लिए नोडल है। यह दो दिवसीय ट्रेनिंग हैं, जो अगले स्तर पर हर ब्लॉक में आयोजित की जाएगी। स्व सहायता समूहों को एवं वन समितियां को भी प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। जिला परियोजना प्रबंधक आजीविका मिशन श्रीमती मीना परते ने कहा मार्केटिंग का विषय महत्वपूर्ण है। टेक्निकल इश्यूज को सुलझा कर मार्केट की चेन डेवलप की जाए, तभी किसान अच्छी तरह से खेती कर सकते हैं।

बीमारी एवं उनसे बचाओ के बताए उपाय

उद्यानिकी विभाग के ए डी दिनेश कुमार ने लघु व उच्च वर्ग के किसानों को मिलने वाली कृषि संबंधी योजनाओं और अनुदान, कृषि विज्ञान केन्द्र के डॉ. एसआर शर्मा ने साइंटिस्ट प्लांट प्रोटेक्शन ने सहजन के पौधे में होने वाली बीमारी एवं उनसे बचाओ के उपायों और एडीए श्रीमती शिल्पी नेमा ने आत्मा परियोजना के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों एवं एजेंसी का एमओयू, मुनगा की खेती में ऐप डेवलप करके किसान रजिस्टर्ड किये जा सकते हैं और खेती मैच्योर होने पर व्यापारी स्वयं उनसे संपर्क कर खरीदी कर सकते हैं आदि विषयों पर सुझाव दिये गये। प्रशिक्षण के दौरान नोडल देवारण्य योजना डॉ. योगेश राघव, वन समिति के अध्यक्ष देवी सिंह, शक्ति पूजा महिला फार्मर एफपीओ के जगदीश मेहरा, कोयावंशी कृषक एफपीओ के संदीप ठाकुर, मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन एग्रीकल्चरल फार्मर के राजेंद्र सिंह पटेल, कृषक केहर सिंह राजपूत और आयुष विभाग के सभी ब्लॉक नोडल चिकित्सक मौजूद थे।

दादी रतन मोहिनी जी को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। ब्रह्माकुमारीज के स्थानीय सेवा केंद्र दिव्य संस्कार भवन में अंतर्राष्ट्रीय संस्थान प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की पूर्व मुख्य प्रशासिका 101 वर्षीय राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी को श्रद्धांजलि दी गई। ज्ञात हो कि दादी जी ने 8 अप्रैल 2025 सोमवार देर रात को गुजरात के अहमदाबाद के निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली श्रद्धांजलि सभा में नगर के प्रबुद्ध जनों द्वारा दीप प्रज्वलन कर दादाजी को श्रद्धांजलि दी गई। स्थानीय सेवा केंद्र की मुख्य संचालिका ब्रह्माकुमारी कुसुम दीदी जी ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए दादी के साथ के अनुभव साझा किए। पत्रकार विपिन बैरागी द्वारा माउंट आबू में दादी जी के सानिध्य को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में कृषि वैज्ञानिक अधिकारी भ्राता विशाल मेश्राम, एड विनय जैन, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष बहिन श्रीमती संध्या कोठारी, योगाचार्य सुश्री इंदु सिंह ,योगाचार्य श्रीमती सुनीता राजपूत, श्रीमती साधना जायसवाल, श्रीमती ज्योति चैहान, प्रो श्रीमती चित्रा द्विवेदी, श्रीमती विवेक पाण्डे, श्रीमती भारती कौरव सहित नगर के प्रबुद्ध जन और संस्थान के भाई बहन उपस्थित रहे।

श्रीराम महायज्ञ श्री रामकथा एवं रामलीला की कलश यात्रा आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बायपास रोड टट्टा पुल के समीप स्थित श्री सिद्ध बाबा झिरना परिसर में आज 19 अप्रैल से 21 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ श्री रामकथा, श्री रामलीला एवं विराट संत सम्मेलन प्रारंभ होगा। आज 19 अप्रैल को उक्त धार्मिक आयोजन की शुरुआत सुबह 8 बजे कलश शोभायात्रा से होगी। कलश यात्रा श्री सिद्ध बाबा झिरना से प्रारंभ होगी। यज्ञ की तैयारियों के संबंध में आयोजन समिति ने बताया कि श्री श्री 1008 अनंत विभूषित राष्ट्रीय संत चित्रकूट धाम सनकादिक महाराज के सानिध्य एवं भगवान श्री सीताराम जी सरकार की अनुकम्पा से 19 अप्रैल से 27 अप्रैल तक 21 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ श्री रामकथा, श्री रामलीला एवं विराट संत सम्मेलन एवं प्रति भंडारा श्री सिद्ध बाबा झिरना बाईपास पर होगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं भरा उत्साह है और मन कर्म वचन से अनेक श्रद्धालु तैयारियों में जुटे हुए हैं।

समिति ने बताया कि 19 अप्रैल से प्रारंभ हो रहे यज्ञ में पहले दिन सुबह 8 बजे से श्री सिद्ध बाबा झिरना से कलश यात्रा वाहनों से निकाली जायेगी एवं शाम 4 बजे से श्री राम कथा, शाम 7 बजे से श्री रामलीला एंव 20 अप्रैल से प्रतिदिन यज्ञ पूजन सुबह 7 से 10 बजे तक, हवन 10 से दोपहर 2 बजे तक,शाम 4 बजे से श्रीराम कथा व शाम 7 बजे रात्रि 10 बजे तक श्री रामलीला होगी। जबकि 20 एंव 21 अप्रेल को शंकराचार्य नेत्रालय झौतेश्वर द्वारा सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक निशुल्क नेत्र जांच परामर्श शिविर लगाया जाएगा एंव 27 अप्रेल को पूर्णाहूति व संत ब्राहण भेंट विदाई कार्यक्रम होगा। आयोजन समिति के सदस्यों ने कहा कि हम सबका सौभाग्य है कि संत सनकादिक महाराज के सानिध्य में यह यज्ञ हो रहा है। सभी धर्मप्रेमियों से अपील की गई है कि वे यज्ञ में अधिक से अधिक सहयोग कर आयोजन में सहभागी बनें।

विद्यार्थियों को बताया जल का महत्व, संगोष्ठी आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मप्र जन अभियान परिषद के तत्वाधान में परिषद की चावरपाठा विकासखंड के अंतर्गत भौरझिर सेक्टर के अंतर्गत शासकीय माध्यमिक विद्यालय छीतापार में जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को जल का महत्व बताया गया और अन्य लोगों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करने के लिए कहा गया। संगोष्ठी के माध्यम से बच्चों को बताया गया कि छोटे- छोटे प्रयासों से जल को कैसे बचाया जा सकता है।

महिला सुरक्षा को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस महिला कांग्रेस द्वारा महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री के नाम डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा सौंपे गये ज्ञापन में बताया गया कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष और पदाधिकारियों ने कहा कि पिछले 15 साल से प्रदेश में भाजपा सरकार है। इसके बावजूद मध्यप्रदेश महिला अपराधों में देश में पहले नंबर पर है। उन्होंने सरकार पर महिला सुरक्षा के प्रति उदासीन रहने का आरोप लगाया।महिला कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से महिला सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। जिससे महिलाएं और बच्चियां खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। महिला कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही इन अपराधों पर रोक नहीं लगी तो वे कानून व्यवस्था को लेकर बड़ा जन आंदोलन करेंगी। कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपने के दौरान सभी ने नारेबाजी करते हुए सरकार से महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की। उक्त अवसर पर महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष प्रीति मिश्रा, एडवोकेट तराना खान, राजकुमारी यादव, कविता वर्मा, सीमा पाठक, भगवती बाई ठाकुर, सुचिता शर्मा आदि उपस्थित रहीं।

स्वयं जमीन दान देकर गुणवत्ता युक्त बनवा रहे पंचायत भवन

तेंदूखेड़ा। कोई भी निर्माण कार्य बार बार नहीं होते हैं।एक ही बार में इन्हें गुणवत्ता पूर्ण तरीके से बनवा दिया जाता है तो लंबे समय तक उसका लाभ लोगों को मिलता रहता है।ऐसा ही एक उदाहरण चांवरपाठा जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम मनकापुर में देखने को मिला जहां यहां पर दूसरी बार निर्वाचित होकर आये सरपंच धर्मेन्द्र सिंह ने अपने ही पूर्वजों के नाम से अपनी जमीन को ग्राम पंचायत भवन निर्माण के लिए 50 डिसमिल जमीन दान में देते हुए स्वयं के द्वारा गुणवतापूर्ण तरीके से निर्माण कराया जा रहा है।नीचे से लेकर ऊपर निर्धारित मापदंडों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। दान में दी गई 50 डिसमिल जमीन को लेकर दान पत्र के साथ साथ अन्य गतिविधियां तो ग्राम पंचायत स्तर से पूरी कर दी गई है लेकिन राजस्व विभाग इस विषय को गंभीरता से नहीं ले रहा है जितना लिया जाना चाहिए था।

महाराष्ट्र प्रांत का कर चुके हैं भ्रमण

ग्राम पंचायत सरपंच धर्मेन्द्र सिंह ठाकुर रोजगार सहायक सचिव बसंत पटेल पंचायतीराज व्यवस्था महिला नेतृत्व तथा ग्रामीण विकास को लेकर अलग-अलग तौर तरीकों को सीखने की मंशा से चार दिवसीय भ्रमण महाराष्ट्र प्रांत की कुछ आदर्श ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर आये है। वहां के विकास पहलुओं और आर्दशों से प्रभावित होकर अपनी ग्राम पंचायत में भी यह अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया जा रहा है। ग्राम पंचायत के सचिव और रोजगार सहायक सचिव बसंत पटेल बताते हैं कि ग्राम पंचायत में अभी तक के निर्माण कार्यों से लेकर हर गतिविधियों का लेखा जोखा स्पष्ट रखा गया है हर वर्ग को फाइलों में पूरी जानकारी देखने को मिला करती है।

विधायक भी कर चुके हैं तारीफ

ग्राम स्वराज भवन के भूमी पूजन अवसर पर पहुंचे क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने भवन के लिए दान दी गई भूमी और निर्माण की गुणवत्ता को लेकर खुले मंच से सरपंच की तारीफ की है। उन्होंने कहा भी है कि यदि सभी ग्राम पंचायत इसी तरह से उदाहरण प्रस्तुत करने लगें तो तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र भी आदर्श क्षेत्र बन जायेगा।

नशेड़ी बेटे ने वृद्ध मां को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस की रात थाना क्षेत्र करेली अंतर्गत आने वाली आमगांव चैकी क्षेत्र के ग्राम जोबा में नशेड़ी बेटे ने अपनी ही बीमार मां की मार मार कर हत्या कर दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना बुधवार देर रात की है। आरोपी महेंद्र परिहार उम्र 30 वर्ष ने अपनी मां उमेदी बाई परिहार से विवाद के दौरान चूल्हे की लकड़ी से मारपीट की। मारपीट में गंभीर रूप से घायल उमेदी बाई को पहले करेली अस्पताल ले जाया गया। वहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। गुरुवार की देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। करेली पुलिस ने आरोपी बेटे महेंद्र परिहार को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी प्रियंका केवट के अनुसार, आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। उक्त घटना के संबंध मे बताया गया कि उमेदी बाई परिहार लकवा ग्रस्त की किसी बात को लेकर मां बेटे मे किसी बात को लेकर विवाद हो गया था।

लकड़ी से भरा ट्रक अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा

तेंदूखेड़ा । गत दिवस वन परिक्षेत्र बरमान के अंतर्गत तेंदूखेड़ा क्षेत्र में समीपी ग्राम टेकापार में एक खेत से सेमल प्रजाति की लकड़ी अवैध रूप से काटकर ट्रक के माध्यम से कहीं ले जाई जा रही थी। मुखबिर की सूचना के आधार पर वन परिक्षेत्र अधिकारी गौरव वानखेड़े ने टीम गठित कर अचानक कार्यवाही करते हुए टेकापार से तेंदूखेड़ा सड़क मार्ग पर ट्रक क्रमांक यूपी 78 डी टी 2895 में अवैध रूप से ले जाई जा रही सेमल प्रजाति की लकड़ी सहित ट्रक को जब्त किया है।इस कार्यवाही में डिप्टी रेंजर गोपाल पटेल दिनेश घोषी वन रक्षक भूपेंद्र ठाकुर गीतेश पटेल जितेन्द्र पटेल की सराहनीय भूमिका रही।

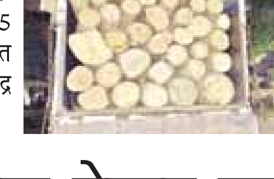

विद्युत समस्या को लेकर किसानों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार के विद्युत आपूर्ति को किसानों द्वारा अधीक्षण यंत्री विद्युत विभाग को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि मुराछ गांव में बिजली आपूर्ति की स्थिति गंभीर हो गई है। गांव में हफ्ते में मात्र एक या दो दिन ही बिजली मिल पा रही है। इससे किसानों की सिंचाई व्यवस्था चौपट हो गई है। ग्रामीणों ने को विद्युत कंपनी के सीनियर इंजीनियर अमित चौहान को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने समस्या के समाधान की मांग की है। गांव में 11 हजार वोल्ट की लाइन के पुराने और जर्जर तार लगातार टूट रहे हैं। इस कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार विद्युत कंपनी में शिकायत की। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनकी मांग है कि 5-6 किलोमीटर के दायरे में सभी पुराने तारों को बदला जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे कलेक्ट्रेट में धरना देंगे। उन्होंने मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के नरसिंहपुर कार्यालय में आवेदन जमा किया है। इसमें स्पष्ट किया है कि धरने की पूरी जिम्मेदारी बिजली कंपनी की होगी।

साढ़े तीन एकड़ भूमि दान देकर करेंगे गौ सेवा

तेंदूखेड़ा। समाज कुछ इस तरह के आदर्श सामने आ जाते जिनसे हर वर्ग को शिक्षा लेकर कुछ अलग उदाहरण प्रस्तुत करने चाहिए ऐसा ही एक अनुकरणीय उदाहरण गौ सेवा को लेकर सामने आया है।एक तरफ जहां निराश्रित मवेशियों की व्यवस्था को लेकर तरह प्रयास हो रहे हैं फिर भी निराश्रित मवेशियों की समस्यायों से निराकरण नहीं मिल पा रहा है।आये दिन मुख्य सड़क मार्गों पर सड़क दुघर्टनाओं के चलते असमय काल के गाल में समाता पशुधन जख्मी हालत में पड़ा देख उनकी वेदना से प्रभावित होकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के खंड ग्राम विकास प्रमुख ब्रजेश कुमार लोधी ने अपने पिता प्रहलाद लोधी की सहमति से गौरी गणेश गौ सेवा समीति मृगन्नाथ धाम के संचालक ब्रह्म ऋषि बाल योगेश्वर संत 108 रामचरण दास त्यागी जी महाराज को लगभग साढ़े तीन एकड़ की जमीन दान में दी है। आध्यात्मिक ऊर्जा के इस पावन क्षेत्र में जहां गौ सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत होगा वहीं इस क्षेत्र में आने वाले समय में 108 कुण्डीय यज्ञ का आयोजन भी होना है।खंड प्रमुख की गौ सेवा के लिए की गई इस पहल की सराहना की जा रही है।

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नरसिंहपुर

क्रमांक/1221/म.ज.प./2025 — **विज्ञप्ति** — नरसिंहपुर, दिनांक 17.04.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद पंचायत नरसिंहपुर के अंतर्गत निम्नानुसार जलाशयों 10 वर्षीय पट्टे पर दिये जाने हेतु मछुआ समिति समूहों से आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाना है आवेदन में प्राथमिकता बंशानुगत पंजीकृत मछुआ समिति पंजीकृत आदिवासी सहकारी मछुआ समिति पंजीकृत अनुसूचित जनजाति सहकारी मछुआ समिति पंजीकृत सहकारी पिछडा वर्ग मछुआ समिति पंजीकृत सहकारी सामान्य समिति पंजीकृत स्व सहायता समूह समूह को वरीयता क्रम में प्राथमिकता प्रदान की जाऐगी । आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि **27-04-2025** आवेदन पूर्ण दस्तावेजों के साथ कार्यालय में प्रस्तुत करें अधूरे / अपूर्ण आवदनों पर काई विचार नहीं किया जायेगा ।

क्र.	जलाशय का नाम	उत्पादित जलक्षेत्र हेक्टयर में	पट्टा अवधि
1	पाठा डुगरिया जलाशय	17.955	10 वर्ष

अंतिम तिथि 27-04-2025

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत नरसिंहपुर